

साइंस हो जाएगी आसान

साइंस एक ऐसा विषय है, जिसके बारे में सोचकर अच्छे-अच्छों को नींद आने लगती है। साइंस के फंडे और फॉर्मूले ऐसे होते हैं कि उन्हें रटे बिना काम ही नहीं बनता।

शायद तुम्हारे टीचर भी गुस्से में बोलते होंगे कि अरे यार, तुम इतनी सी चीज याद नहीं कर सकते। अगर तुम्हारे साथ भी कुछ ऐसा ही हो रहा है तो चलो आज हम तुम्हारी फिटर मदद करते हैं और कैमिस्ट्री को बनाते हैं आसान और मजेदार। बस, इसके लिए आज फिटर पापा का एंड्रॉइड हैंडसेट थोड़ी देर के लिए उधार मांग लेना और अगर न मानें तो समझा देना कि कैमिस्ट्री में फुल मार्क्स चाहिए कि नहीं। कैमिस्ट्री एप्स को खोलने के लिए गूगल प्ले स्टोर पर जाओ और सर्चबॉक्स पर कैमिस्ट्री लिखो, उसके बाद इस विषय के कई एप्स खुलकर आ जाएंगे।

कैमिस्ट्री हेल्पर
कैमिस्ट्री को आसान बनाने के लिए यह एप्लिकेशन एप बहुत मजेदार है। यह फॉर्मूले, चेन्स, मॉलिक्यूल और कंपाउंड

को बेहद आसान तरीके से तुम्हें समझा देगा। जैसे भी ये सब टॉपिक छठी क्लास से ही शुरू हो जाते हैं तो बेसिक्स क्लियर होना बहुत जरूरी हो जाता है। इसे तुम कैमिस्ट्री का विकिपीडिया मान सकते हो। यह एक मुफ्त एप है और तुम इसे इंस्टॉल कर सकते हो। इस एप पर क्लिक करो और हरे बॉक्स में लिखे इंस्टॉल पर क्लिक कर दो। यह एप चंद सेकेंड में डाउनलोड हो जाएगा।

कैमिस्ट्री फॉर्मूला कैलसी
अगर तुम्हें फॉर्मूला कैलकुलेट करने में मुश्किल आ रही है तो इस एप की मदद ले सकते हो। यह एप कैलकुलेशन के अलावा कई कैटेगरी में खोला जा सकता है और इसमें गैस, लिचिड और सॉल्यूशन की आसान टेबल भी दी गई है। इस एप को इंस्टॉल करने का तरीका बिल्कुल हेल्पर की तरह ही है।

कैमिस्ट्री डिक्शनरी
कैमिस्ट्री एक ऐसा सबजेक्ट है, जिसमें वोकैब बड़े कठिन होते हैं। कई शब्द तो ऐसे होते हैं, जिनके बारे में तुमने सुना भी



एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नहीं होगा। बस इतनी सी बात, तुम डाउनलोड कर सकते हो कैमिस्ट्री डिक्शनरी। यह एक ऐसा एप है, जिसमें तुम पूरी दुनिया के कैमिस्ट्री के शब्द डाल दोगे, तब भी यह तुम्हें एक सेकेंड में उसका मतलब बेहद

आसान शब्दों में समझा देगा। बेसिक कैमिस्ट्री कैमिस्ट्री से प्यार करने के लिए उसके बेसिक्स समझना बहुत जरूरी है। तुम्हारे टीचर यह कहते होंगे कि तुम्हारे बेसिक्स

क्लियर नहीं हैं। अगर ऐसा तुम्हें लगता है तो तुम यह एप इंस्टॉल कर सकते हो। इससे तुम्हारी कई कंप्यूजन दूर होंगे और कैमिस्ट्री बाएं हाथ का खेल लगने लगेगी।

भेड़ जैसा दिखता कोमोंडोर

आज हम तुम्हें कोमोंडोर डॉगी के बारे में बताते हैं। इसके बालों से इसका पूरा शरीर ढका होता है। बाल भी इतने लंबे-लंबे कि तुम ढूंढते रह जाओगे कि इनके आंख, नाक, कान कहाँ पर हैं। कोमोंडोर में मेल डॉग्स की लंबाई 70 से 80 से.मी. होती है, जबकि फीमेल 65 से 70 से.मी. तक होती हैं। इनका वजन 40 से 60 किलो तक होता है। ये हंगरी में ज्यादा पाए जाते हैं। इनके बाल इतने लंबे होते हैं कि जहां-जहां ये जाते हैं, वहां की सफाई करते हुए जाते हैं। ये इतने ताकतवर होते हैं कि घर के लोगों के साथ-साथ उनकी प्रॉपर्टी की भी देखभाल करते हैं।

मेल डॉग एक साल में जवान हो जाता है, परन्तु उसके बाल पूरी तरह से विकसित नहीं हो पाते हैं। इनकी शारीरिक संरचना कुछ इस तरह की होती है कि ये ताकतवर



तो होते ही हैं, साथ ही इनकी टांगें लंबी ये मालिक के आदेश का इंतजार नहीं करते, बल्कि अटैक कर देते हैं। ये परिवार में मिलकर रहते हैं, खासतौर पर बच्चों के साथ। पूरा घर इनके हवाले छोड़कर जाया जा सकता है।

ये दिन में सोना पसंद करते हैं और रात में जागना। भालू और भेड़िया इनसे डरते हैं। जब ये 4-8 महीने के होते हैं, तब से इनकी ट्रेनिंग शुरू हो जाती है। युवा होने पर इनके व्यवहार में बदलाव आ जाता है। यदि इन्हें अच्छा माहौल और देखभाल मिले तो इनका व्यवहार बहुत अच्छा रहता है, नहीं तो ये उत्तेजित भी हो जाते हैं। खाने के ये शौकीन होते हैं। इन्हें हाई प्रोटीन डाइट दी जाती है, जिससे इनके बाल न खराब हों। कई कोमोंडोर तीन साल तक भी मैच्योर नहीं हो पाते हैं, इसलिये इन्हें 'लेट ब्लूमरस' कहा जाता है।

और पूंछ व कमर छोटी होती हैं। नाक और होंठ काले होते हैं। इनके बालों को पूरा विकसित होने में लगभग दो साल का समय लगता है। अगर ये नहा लें तो इन्हें सूखने में ढाई दिन लग जाते हैं। ये किसी से डरते नहीं हैं। किसी भी तरह का खतरा होने पर

कई बीमारियों से निजात पाने के लिए कारगर है सुबह की सैर

नियमित तौर पर टहलना स्वस्थ रहने में बहुत मददगार साबित होता है,



लेकिन एक ताजा सर्वेक्षण से पता चला है कि अधिकांश भारतीय प्रतिदिन 30 मिनट से भी कम समय टहलते हैं। वर्ल्ड हर्ट फेडरेशन की ओर से इंटरनेट आधारित एक अंतर्राष्ट्रीय बाजार अनुसंधान कंपनी, यूगोव ने ऑनलाइन किए गए इस सर्वेक्षण में इसका खुलासा किया है।

चपब्लिक हेल्थ फाउंडेशन इन

इंडियाचकी निदेशक (स्वास्थ्य प्रचार) मोनिका अरोड़ा ने एक वक्तव्य में कहा कि पूर्व अध्ययनों के अनुसार भारतीय लोगों में टहलने से दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा कम होता है। स्वस्थ एवं तनावरहित रहने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को रोज कूल मिलाकर कम से कम 30 मिनट तेज गति से टहलना चाहिए। सर्वेक्षण के अध्ययन से यह भी पता चला कि 18-24 आयुवर्ग के युवा किसी अन्य आयुवर्ग की अपेक्षा अधिक टहलते हैं। सर्वेक्षण में 18 वर्ष से अधिक आयु के 1021 लोगों ने हिस्सा लिया। इसके अनुसार सर्वेक्षण में हिस्सा लेने वालों में 46 प्रतिशत निर्धारित दिन आधा घंटा से भी कम टहले।

सोफे को हमेशा अच्छा कैसे बनाएं रखें?

सोफे को खरीदते समय सबसे ज्यादा ध्यान सोफे के कवर पर देना पड़ता है। अगर आप सफेद लैटर लेते हैं तो इससे आपका हर मौसम में आसानी रहेगी, उस पर बैठने में दिक्कत



नहीं होगी। इसी तरह सोफे और उसके कवर के चयन में कई बातों को ध्यान में रखना पड़ता है। किंग फर्नीचर रेसीडेंट ट्रेड एक्सपर्ट बताते हैं कि सोफा की पसंद आपकी लाइफ स्टाइल और पसंद को बताती है। अगर आप सोफा खरीदते हैं तो उसकी केयर भी करना सीखना होता है। तो आइए जानते हैं कैसे करें अपने सोफे की केयर : अपने सोफे की केयर ऐसे करें- 1) फ्रैब्रिक वाले सोफो पर वैक्यूम के लो प्रेशर का यूज करें, इससे वह खराब नहीं होगा। 2) सोफे पर पड़ने वालों दागों को तुरंत साफ कर लें। इससे उन पर निशान नहीं पड़ेंगे। 3) सोफे को अच्छा बनाएं रखने के लिए किंग केयर फ्रैब्रिक क्लीनर का यूज करें। इससे घर के अन्य उत्पादों के दाग भी आसानी से छुड़ाए जा सकते हैं। 4) सोफे पर किसी भी नुकीले सामान को न रखें। इससे सोफे को नुकसान पहुंच सकता है। 5) सोफे की नियमित सफाई के लिए क्लीनर का उपयोग न करें। आप धूल आदि को रोज के रोज समय रहते साफ कर सकते हैं। 6) सोफे के फ्रैब्रिक को हमेशा धूप की रोशनी से बचाकर रखें। इस पर पानी आदि को पड़ने से बचाएं। 7) सोफे पर नंगे पैर या फिटर गंदे पैर न रखें। इससे उसकी सतह खराब नहीं होगी। 8) अपने सोफे की कंडीशन हमेशा अच्छा बनाएं रखने के लिए उसकी नियमित देखभाल करें। साथ ही कवर भी लगाएं।